भारत में जैवविविधिता हॉटस्पॉट

भारत में जैवविविधता हॉटस्पॉट

हिमालय

- पृथ्वी पर सबसे युवा और सबसे ऊँची पर्वत शृंखला, जो उत्तरी पाकिस्तान; नेपाल; भूटान; म्याँमार से सटे भारत के उत्तर-पश्चिमी और उत्तरपूर्वी राज्यों; और पूर्व में दक्षिण-पश्चिम चीन की सीमा तक फैली हुई है।
- गिद्ध, बाघ, गैंडे और जंगली भैंसे सहित कई बड़े पक्षियों और स्तनपायी प्रजातियों की व्यापक आबादी का निवासस्थान।
- कई अद्वितीय और विविध मानव समूह भी यहाँ पाए जाते हैं। नेपाल में तिब्बती-बर्मी या इंडो-आर्यन वंश के 27 से अधिक जातीय समूह मौजूद हैं, जबकि भूटान में तीन मुख्य नृजातीय समूह हैं- न्गालोप (Ngalongs) शार्कोप (Sharchogpas) और ह्लोत्शाम्प (Lhotsampas)। इस बीच, भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में 500 से अधिक अलग-अलग नृजातीय समूह हैं।

पश्चिमी घाट और श्रीलंका

- पश्चिमी घाट जो कि गोंडवानालैंड की एक जैव-भौगोलिक रूप से संरचना है, मालाबार के मैदानों और भारत के पश्चिमी तट के समानांतर (लगभग 30 से 50 किमी अंतर्देशीय) चलने वाले पहाड़ों की शृंखला से मिलकर बना है।
- पश्चिमी घाट जिसे स्थानीय रूप से 'सह्याद्रि' के नाम से जाना जाता है, गुजरात में ताप्ती नदी से शुरू होकर तमिलनाडु में देश के सबसे दक्षिणी सिरे कन्याकुमारी तक विस्तारित है।
- इसमें कई प्राकृतिक दर्रे मौजूद हैं जिनमें से पालक्कड़ (पालघाट) दर्रा सबसे चौड़ा है।
- अगस्त्यमलाई पहाड़ियाँ, नीलगिरि, अनामलाई पहाड़ियाँ, पलानी पहाड़ियाँ, मेघमलाई, कार्डेमम पहाड़ियाँ, साइलेंट वैली - न्यू अमरम्बलम फॉरेस्ट्स, वायनाड-कोडागु, शिमोगा - कनारा, कोंकण और महाबलेश्वर - खंडाला पश्चिमी घाट में पौधों की विविधता और स्थानिकता वाले कुछ प्रमुख केंद्र हैं।
- 'पश्चिमी घाट' एक विश्व धरोहर स्थल है।
- श्रीलंका एक महाद्वीपीय द्वीप है जो दक्षिण भारत से 20 मीटर गहरे पाक जलडमरूमध्य द्वारा अलग होता है।

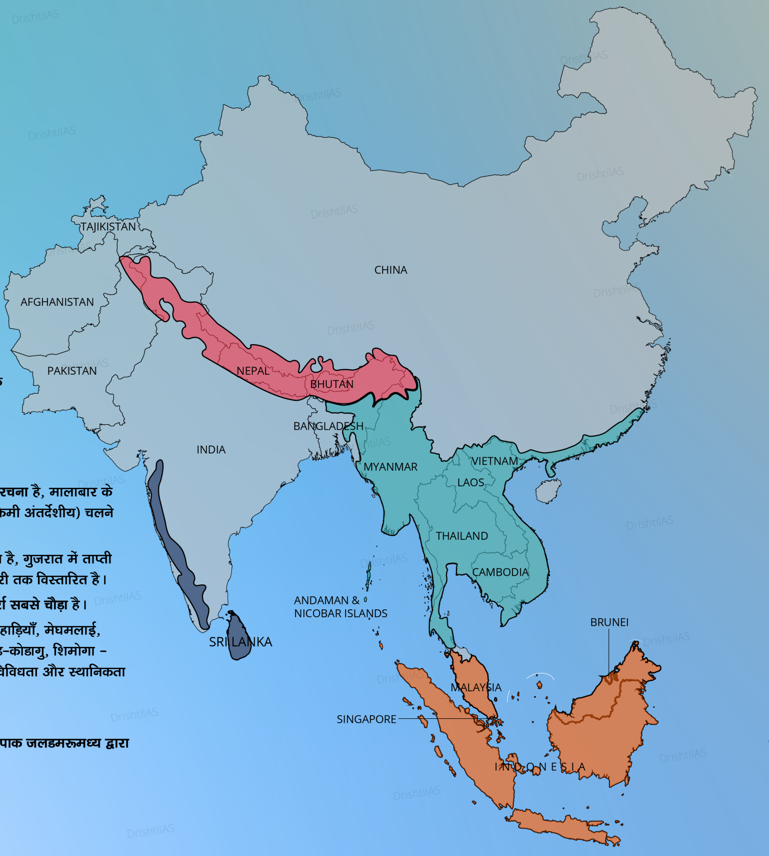

इंडो-बर्मा

- म्याँमार, थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम, लाओस पीडीआर को कवर करता है तथा इसमें गंगा के मैदान, ब्रह्मपुत्र नदी के आसपास के क्षेत्र व अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्से शामिल हैं।
- हॉटस्पॉट में पाई जाने वाली चूना पत्थर कार्स्ट संरचनाएँ अत्यधिक अद्वितीय पारिस्थितिकी प्रणालियों का समर्थन करती हैं, जिसमें स्थानिकता का उच्च स्तर पाया जाता है, विशेष रूप से पौधों, सरीसृपों तथा मोलस्क (घोंघा आदि जीव) के बीच।

सुंडालैंड

- राजनीतिक रूप से यह हॉटस्पॉट दक्षिणी थाईलैंड के एक छोटे से हिस्से; लगभग समग्र मलेशिया; सिंगापुर; ब्रुनेई; और इंडोनेशिया के पश्चिमी भाग को कवर करता है। निकोबार द्वीप समूह, जो भारतीय अधिकार क्षेत्र में हैं, भी इसमें शामिल है। यह हिंद महासागर के नीचे टेक्टोनिक प्लेटों तक फैला हुआ है।
- यह हॉटस्पॉट विशिष्ट प्रजातियों जैसे ऑरंगुटान, पिग टेल्ड लंगूर, जावा व सुमात्रा राइनो और केवल बोर्नियो में पाए जाने वाले प्रोबोसिस बंदर का आवास है।
- सुंडालैंड को विश्व के सबसे बड़े पुष्प, रैफलेसिया (Rafflesia) की उपस्थिति का गौरव भी प्राप्त है, जो एक मीटर से अधिक बड़ा होता है।

तथ्य

- 'बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट' (जैव विविधता हॉटस्पॉट) शब्द सबसे पहले नॉर्मन मायर्स (1988) द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
- मायर्स के सहयोग से द कंज़र्वेशन इंटरनेशनल (गैर-लाभकारी संगठन) ने हॉटस्पॉट्स की पहली व्यवस्थित सूची तैयार की।
- वर्तमान में 36 मान्यता प्राप्त जैवविविधता हॉटस्पॉट हैं। जैवविविधता हॉटस्पॉट के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिये, किसी क्षेत्र द्वारा निम्नलिखित दो मानदंडों को निश्चित रूप से पूरा करना अनिवार्य है:
  - संवहनी पौधों की कम-से-कम 1,500 प्रजातियाँ मौजूद हों जो पृथ्वी पर कहीं और न पाई जाती हों (जिन्हें "स्थानिक" प्रजातियों के रूप में जाना जाता है)।
  - ऐसा क्षेत्र जिनका 70% से अधिक मूल पर्यावास नष्ट हो चुका हो।
- भारत में जैवविविधता हॉटस्पॉट (4): हिमालय, पश्चिमी घाट तथा श्रीलंका, इंडो-बर्मा, सुंडालैंड।

Drishti IAS

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/biodiversity-hotspots-in-india-1